ग्वालियर | शुक्रवार | 9 अक्टूबर 2026 | वर्ष 32 | अंक 55 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00
navabharat.com | twitter.com/Nava_Bharat | fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

राष्ट्रहित का प्रहरी ०34 से



उड़ गया परिंदा

अभिनय के लिए 3 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

75 वर्ष की उम्र में प्रख्यात अभिनेता नाना पाटेकर का हार्ट अटैक से गोवा में निधन, पुणे के डोणजे में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई, बेटे मल्हार ने दी मुखाग्नि

2013 पद्मश्री से सम्मानित

मुंबई/पुणे, 8 अक्टूबर (नवभारत न्यूज). परदे पर परिंदा बनकर उड़ान भरने वाला वह कलाकार, जिसकी आंखों में अभिनय की आग थी, आवाज में गूंज और संवादों में जिंदगी का सच...आज खुद दूर चला गया. नाना पाटेकर नहीं रहे. पांच दशक से ज्यादा लंबे अपने सफर में उन्होंने ऐसे किरदार रचे, जो परदे से उतरकर लोगों की स्मृतियों में बस गए. परिंदा का वह नाना अब हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनका अभिनय, उनका तेवर और उनकी आवाज सिनेमा में हमेशा गूंजती रहेगी. 75 वर्षीय नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह गोवा स्थित उनके आवास पर कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया. उन्हें तड़के करीब 5.20 बजे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने करीब 45 मिनट तक सीपीआर देकर उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली. उनके बेटे मल्हार पाटेकर ने निधन की पुष्टि की. इसके बाद नाना का पार्थिव शरीर शाम को पुणे लाया जाएगा. डोणजे स्थित उनके फार्महाउस पर अंतिम दर्शन के बाद अंतिम संस्कार किया गया.

चार दिन पहले बोले थे कल रहूं या ना रहूं: नाना के जाने का संयोग उनकी अंतिम सार्वजनिक मौजूदगी को और भावुक बना देता है. निधन से महज चार दिन पहले गोवा के डोना पाउला में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था, मुझे नहीं पता कि मैं कल यहां रहूंगा या नहीं. उन्होंने जिंदगी के मकसद, अपनी इच्छाओं को पूरा करने और समाज को कुछ लौटाने की जरूरत पर भी बात की थी. उस वक्त सामान्य लगने वाले उनके शब्द अब उनकी विदाई के बाद असाधारण रूप से मार्मिक हो उठे. स्मृति शेष पेज 11 पर...

राष्ट्रपति, पीएम मोदी, सीएम यादव ने किया याद

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नाना के निधन को भारतीय सिनेमा के लिए बड़ी क्षति बताया.
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नाना की तीव्रता, विशिष्टता और प्रभावशाली मौजूदगी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हर भूमिका में ऐसी रचनात्मकता दिखाई कि उनके किरदार पीढ़ियों तक याद किए जाएंगे.
- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि नाना ने अपने बहुआयामी व्यक्तित्व और उत्कृष्ट योगदान से लोगों के दिलों में विशेष स्थान बनाया.

एक आवाज, जिसने किरदारों को अमर किया : अमिताभ

अमिताभ बच्चन ने नाना के साथ अपने पुराने रिश्ते और उनकी कला को याद करते हुए सोशल मीडिया पर भावुक श्रद्धांजलि दी. उन्होंने नाना को ऐसी आवाज बताया जिसने किरदारों को यादगार बना दिया और लिखा कि उनकी अनुपस्थिति हमेशा महसूस होगी.



महान अभिनेता को श्रद्धांजलि!

5 करोड़ की गड़बड़ी पर ही केस, गिरफ्तारी नहीं होगी

जीएसटी काउंसिल की बैठक में कारोबारियों को मिली बड़ी राहत

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर. केंद्र सरकार ने व्यापारियों को गुरुवार को बड़ी राहत देते हुए अब कर चोरी से जुड़े मामलों में गिरफ्तारी से लेकर जुर्माना और दर्ज होने वाले मामलों की लिमिट तक का दायरा घटा दिया है. अब कारोबारियों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा.

मामले दर्ज करने के लिए लिमिट को 1 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ कर दिया गया है. साथ ही सामान्य जुर्माने को 25 हजार से घटाकर 10 हजार रुपये कर दिया गया है. यह फैसला सरकार ने 57वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में हुए निर्णयों के बाद लिया. बैठक केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई. मालूम हो कि जीएसटी कानून के प्रावधानों को लेकर व्यापारी लंबे समय से आपत्ति दर्ज करवा रहे थे. इसे लेकर आखिरकार सरकार ने बैठक में ये महत्वपूर्ण निर्णय लिए है. हालांकि बैठक में आईटीसी की मौजूदा टैक्स दरों में कोई नया बदलाव नहीं किया गया.



25 से घटाकर जुर्माना 10 हजार रुपये

सामान्य जुर्माने की अधिकतम निर्धारित राशि में भी बदलाव किया है. यह उन मामलों में लागू होता है जहां कानून में अलग से कोई विशेष पेनल्टी निर्धारित नहीं है. ऐसी सामान्य पेनल्टी को 25 हजार से घटाकर 10 रुपए हजार किया गया है.

ईमानदार खरीदारों के आईटीसी की समीक्षा

इनपुट टैक्स क्रेडिट यानी आईटीसी के मामले में ईमानदार खरीदारों को राहत देने की दिशा में भी फैसला लिया गया है. काउंसिल ने अधिकारियों की एक समिति गठित करने का निर्णय लिया है. यह समिति ऐसे मामलों का अध्ययन करेगी, जहां खरीदार के पास वैध इनवॉयस है, उसे माल या सेवा प्राप्त हो चुकी है और उसने सप्लायर को भुगतान भी कर दिया है, लेकिन सप्लायर की गड़बड़ी के कारण खरीदार का आईटीसी प्रभावित हो रहा है. अधिकारियों की समिति को इस विषय पर तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया है.

अफसरों के अधिकार छीने

जीएसटी कानून में अधिकारियों को दी गई गिरफ्तारी की शक्ति समाप्त कर दी गई है. इसके साथ ही न्यूनतम सजा से जुड़ा प्रावधान भी हटाया गया है. अब किसी मामले में जुर्माना, कारावास या दोनों में से क्या सजा होगी, इसका निर्धारण न्यायिक प्रक्रिया के तहत किया जाएगा. इस बदलाव का उद्देश्य कर प्रशासन में अधिकारियों की कार्रवाई और न्यायिक प्रक्रिया के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखना है.

आपराधिक केस की सीमा को पांच गुना किया

जीएसटी से जुड़े मामलों में आपराधिक मुकदमा शुरू करने की न्यूनतम सीमा को 1 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये कर दिया गया है. इसका मतलब है कि 5 करोड़ से कम की कर संबंधी गड़बड़ी के मामलों में जीएसटी कानून के तहत अभियोजन की कार्रवाई नहीं होगी. हालांकि, इसका यह अर्थ नहीं है कि ऐसी गड़बड़ी पर कोई कार्रवाई नहीं होगी. संबंधित मामलों में जुर्माने की वसूली की प्रक्रिया जारी रहेगी.

कैंसर दवाएं होंगी सस्ती ट्रेड मार्जिन 30% तय

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर. कैंसर के इलाज पर होने वाले भारी खर्च को कम करने की दिशा में सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. सभी गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को अधिकतम 30 फीसदी तक सीमित करने का निर्णय लिया गया है.

सरकार का कहना है कि इससे दवाओं की कीमतों में शामिल अत्यधिक ट्रेड मार्जिन कम होगा और जीवनरक्षक दवाएं मरीजों के लिए अधिक किफायती बन सकेंगी. इसके



दायरे में दवाओं की किसी एक श्रेणी को नहीं, बल्कि गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं को व्यापक रूप से शामिल किया गया है. ब्रांडेड और जेनेरिक, घरेलू और आयातित तथा पेटेंट और गैर-पेटेंट दवाओं पर 30 फीसदी तक ट्रेड मार्जिन की सीमा लागू होगी.

मोबाइल अब सुशासन का टूल भी : मोदी

नवभारत न्यूज

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में एशिया के सबसे बड़े टेक्नोलॉजी फोरम इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2026 के 10वें संस्करण का उद्घाटन किया.

समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान दरअसल तकनीक के लोकतंत्रीकरण का एक अभूतपूर्व राष्ट्रीय प्रयास है. आज भारत में मोबाइल फोन सिर्फ कॉल करने या संदेश भेजने का साधन नहीं रहा, बल्कि यह सुशासन टूल बन चुका है. देश के प्रत्येक जिले तक 5जी कनेक्टिविटी पहुंच चुकी है, जिसने



इंटरनेट स्पीड को कई गुना बढ़ाकर डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन कंटेंट क्रिएशन के पूरे तंत्र को बदल दिया है. यह विकास की दिशा में भारत की बड़ी उपलब्धि है. प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते सरकारी योजनाओं में होने वाला रिसाव पूरी तरह रुका है और पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि गलत हाथों में जाने से बची है.

6 जी में दुनिया का नेतृत्व करेगा भारत : सिंधिया

समारोह में केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि भारत 55 करोड़ से अधिक 5जी उपभोक्ताओं का बाजार बन चुका है और सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक इस आंकड़े को एक अरब यूजर्स तक पहुंचाने का है. उन्होंने भारत 6जी को लेकर देश में हजारों पेटेंट दाखिल किए जा चुके हैं, जो भविष्य की अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी में भारत की मजबूत स्थिति को सुनिश्चित करते हैं. मंच से दोनों नेताओं ने यह संदेश स्पष्ट किया कि भारत अब केवल तकनीकों का उपभोक्ता नहीं, बल्कि दुनिया के लिए नवाचार और डिजिटल समाधानों का प्रमुख निर्माता बन चुका है.

टीएमसी के 20 बागी सांसदों पर अयोग्यता की तलवार

कोलकाता. एनसीपीआई के साथ जुड़ने वाले 20 बागी टीएमसी सांसदों ने दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता की मांग वाली याचिका पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला द्वारा जारी नोटिस का जवाब देने के लिए दो और हफ्ते का समय मांगा है. सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने गुरुवार को यह जानकारी दी. यह बयान ऐसे समय में उठाया गया है जब नोटिस का जवाब भेजने की समय-सीमा 8 अक्टूबर को खत्म हो रही थी. बागी सांसदों में शामिल घोष दस्तीदार ने कहा कि सांसद अभी तक जवाब तैयार करने के लिए जरूरी सभी दस्तावेज इकट्ठा नहीं कर पाए हैं, इसलिए उन्होंने लोकसभा सचिवालय से और समय मांगा है.

3 लाख की रिश्वत लेते केंद्रीय विद्यालय की प्राचार्य गिरफ्तार

विशेष प्रतिनिधि

भोपाल. केंद्रीय जांच ब्यूरो ने रिश्वतखोरी के मामले में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इटारसी की प्राचार्य श्रद्धा पाठक और एक बिचौलिए को गिरफ्तार किया है.



दोनों को को 3 लाख रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया.

सीबीआई के अनुसार, लालघाटी भोपाल निवासी ऋषि जैन ने 5 अक्टूबर को लिखित शिकायत की थी. शिकायत में बताया गया कि उनकी फर्म को नवीनीकरण का ठेका मिला था. जिसका करीब 8 लाख रुपये के बिलों का भुगतान लंबित था. लंबित बिलों का भुगतान के लिए प्राचार्य श्रद्धा पाठक द्वारा उनसे 3 लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई. जिसके बाद ट्रैप कार्रवाई के दौरान प्राचार्य और बिचौलिया 3 लाख रुपए की रिश्वत लेते पकड़े गए. गिरफ्तारी के बाद आरोपियों के आवास की तलाशी ली गई.

ब्रेकअप का मतलब आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं : सुको

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक मामले में सुनवाई के दौरान कहा कि आपसी सहमति से बने रिश्ते के बाद अगर कोई प्रेमी शादी करने से इनकार कर देता है, तो इसे अपने आप में आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं माना जा सकता. इसी टिप्पणी के साथ शीर्ष अदालत ने एक महिला को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में छह लोगों के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्रवाई को रद कर दिया है. साथ ही जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने तेलंगाना के मेडचल-मलकाजगिरी जिले की अदालत में पेंडिंग मामलों को खारिज कर दिया.ते हुए कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कोई सबूत या सामग्री नहीं मिली, जिससे यह साबित हो सके कि आरोपियों ने महिला को आत्महत्या के लिए मजबूर या उकसाया था.

सीईसी के खिलाफ राजघाट पर धरना



नवभारत न्यूज

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर. मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन में कथित अनियमितताओं के खिलाफ लगातार तीसरे दिन भी विपक्षी दलों का विरोध प्रदर्शन जारी रहा.

इंडिया गठबंधन के नेताओं को ऐतिहासिक महात्मा गांधी स्मारक यानी राजघाट पर शांतिपूर्ण धरना

▶ विपक्ष का तीसरे दिन भी जारी रहा प्रदर्शन

प्रदर्शन करने दिया. कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दूसरे दिन भी दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित मोएट्स रेस्टोरेंट में विपक्षी सांसदों और नेताओं के लिए दोपहर के भोजन का आयोजन किया था. हालांकि इस लंच की खबर लगते ही दिल्ली पुलिस द्वारा एहतियातन सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, ताकि पिछले दिनों की तरह यदि विपक्षी सांसदों का समूह निर्वाचन सदन की ओर जाने का प्रयास करें तो उन्हें तत्काल रोका जा सके. भोजन के बाद लोकतंत्र बचाओ और वोट चोरी के आरोपों के पोस्टर-बैनर थामे सभी विपक्षी सांसद और नेता एकजुट होकर बसों में सवार हुए और राजघाट की ओर कूच कर दिया और शाम तक धरना दिया.

इस विरोध प्रदर्शन में मल्लिकार्जुन खड़गे,राहुल गांधी, अभिषेक बनर्जी समेत विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया. बसों में सवार इन नेताओं के साथ भारी संख्या में कांग्रेस, भारतीय युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ता भी सड़कों पर उतरे.

नोबेल ग्रीक मिथकों को दी आधुनिक आवाज, प्राचीन कथाओं को दिया आधुनिक संदर्भ

कनाडा की ऐन कार्सन को साहित्य का नोबेल

नवभारत न्यूज नेटवर्क

स्टॉकहोम, 8 अक्टूबर. कनाडा की लेखिका और कवयित्री ऐन कार्सन को 2026 का साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिया गया है.

नोबेल समिति के अनुसार, कार्सन को उनकी ऐसी साहित्यिक रचनाओं के लिए सम्मानित किया गया है, जिनमें उन्होंने प्राचीन यूनानी-रोमन साहित्य और मिथकों को आधुनिक जीवन, प्रेम, रिश्तों और दुख जैसी मानवीय भावनाओं से जोड़ा. नोबेल समिति ने कार्सन के लेखन की विशेषता बताते हुए कहा कि वह प्राचीन कहानियों को महज



दोहराती नहीं हैं, बल्कि उनमें अपनी कल्पना और समकालीन जीवन के अनुभवों को शामिल करती हैं. उनकी रचनाओं में कविता, कथा और निबंध की पारंपरिक सीमाएं भी कई बार एक-दूसरे में घुल जाती हैं. यही प्रयोगधर्मिता उनके साहित्य को अलग पहचान देती है.

'ऑटोबायोग्राफी ऑफ रेड' से मिली खास पहचान

कार्सन की चर्चित रचनाओं में 'ऑटोबायोग्राफी ऑफ रेड ए नॉवेल इन वर्स' शामिल है, जो 1998 में प्रकाशित हुई थी. यह प्राचीन यूनानी मिथक पर आधारित रचना है, जिसमें गेरियोन नाम के पंखों वाले लाल राक्षस की कथा आती है. कार्सन ने इस मिथक को आधुनिक संवेदनाओं के साथ दोबारा गढ़ा. कार्सन की एक अन्य प्रसिद्ध किताब 'द ब्यूटी ऑफ द हसबैंड' 2001 में प्रकाशित हुई थी.

डोनाल्ड ट्रंप की नोबेल शांति पुरस्कार पर फिर दावेदारी

वॉशिंगटन. नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर इस सम्मान पर अपनी दावेदारी पेश की है. ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने आठ युद्ध खत्म कराने में भूमिका निभाई है और कई दूसरे संघर्षों को शुरू होने से रोका है. उन्होंने कहा कि अगर इतने प्रयासों के बाद भी उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलता है तो इससे पुरस्कार देने वाली समिति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचेगा.

